9-2-68

रात्रीक्लास ओमशान्ति शिवबाबा याद है? 9-2-68

सभी माशुक की याद में बैठे हो? अल्फ औ बे की याद में बैठो तो भी ठीक है। बाप और वर्सा। फिर बहुत मीठे2 माल खावेंगे। नई दुनिया में। बच्चे भी खुश होते हैं क्योंकि बेशुमार माल मिलते हैं। बाप भी खुश होते हैं बच्चों को 21 जन्मों लिए बेशुमार माल देते हैं। तुम सभी पर बृहस्पत की दशा चल रही है। तो कितनी खुशी होनी चाहिए। नहीं रहती है क्यों कि कुछ गरबर है। पुरुषार्थ में कमी है। नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार। इस लिए नम्बरवार दशाएं भी बैठी हैं। नहीं तो विवेक कहते हैं जो बच्चे निश्चय बुधि हैं उनको क्या प्रवाह। बाप को कहना कि याद नहीं पड़ते हो। कितनी दुर्गति है। बाप कहते हैं योग अक्षर छोड़ सिर्फ बाप की याद में रहो। फिर यह मुख से निकलेगा नहीं बाबा आप को भूल जाता है। लौकिक बापको भी कोई ऐसे नहीं कहेंगे यह वन्डर फुल बात है बाप को बच्चे भूल जाते हैं। जिस याद से ही विकर्म विनाश होते हैं।

बच्चे लिखते हैं बाबा कार्ड में क्या लिखें। पहले2 बात यह भी लिखना चाहिए यहां रचता और रचना की नालेज मिलेगी। आदि, मध्य, अन्त की जान जावेंगे। बेहद के बाप और हद के बाप के वर्से में फर्क देखेंगे। वर्ल्ड गाड-फादर टीचर से वर्सा पावेंगे। सारी दुनिया 8-9 वर्ष के अन्दर सुख दुःख से पार हो जावेगी। ऐसे2 लिखना है। तो स्वर्ग से आकर बेहद के बाप से वर्सा पा लेंगे। विश्व में शान्ति स्थापन करने वाला कैसे स्थापन कर रहे हैं। हर 5000 वर्ष बाद करता ही आता है। ऐसी2 पाईन्ट डालनी है। ऐसी2 दिलचस्पी की बातें लिखनी है। जो वह आवे। तुम यह नालेज हर 5000 वर्ष बाद यहां से ही लेकर जाते हो। और कोई जगह से न मिल सकेंगे। ऐसे2 कैसे कर भेज देना चाहिए। एकधर्म, एक राज्य स्थापन हो रहा है। सतयुग में एक ही राज्य होता है। आयरन एज में फिर अनेक राज्य होते हैं। कहां भी प्रदर्शनी आदि हो तो ऐसी चिटकियां बांटनी चाहिए। ऐसी2 बातें सुनेंगे तो सब समझ जावेंगे। कोई भी बात रहेगी नहीं। ऐसी2 बातें लिखनी चाहिए जो उनको आने की कशिश हो। तुम कुछ भी नहीं जानते थे। अब इतना जानते हो जो कुछ और जानने की दरकार नहीं। फौनर्स को ल०ना० का स्टेटस नहीं पाना है। बाकी वर्ल्ड की हिस्ट्री-जाग्राफी जानेंगे। जैसे बाप नालेजफुल है वैसे तुम भी मास्टर नालेजफुल बन जावेंगे। ऊंच ते ऊंच बनेंगे। मुक्ति-जीवनमुक्ति दोनों मिलेंगे। तुम बच्चों को भी यही धारणा करना है। नालेज तो सेकण्ड की है। अब यहां तुम नालेजफुल बनते हो औ राज्य पावेंगे। फिर यह नालेज तुमको भूल जावेगी। इसलिए यह जन्म ही सब से उत्तम है। अल्फ और बे जानने से उसमें सब आ जाता है। बाप नालेज फुल है। तुम उनके बच्चे हो तो बच्चों को भी वही नालेज मिलती है। मिलती सब को एक रस है। बाकी धारणा नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार होती है। तुमको भी नालेज का सार मिलता है। मिकीयत का भी सार मिल जाता है बच्चों को। बेहद के बाप से तुम क्या नहीं लेते हो। अशरीरी भी तुमको बनाया जाता है। क्योंकि अब जाना है। तो सिखलाया जाता है अशरीरी बनो। बाप की याद में रहो। हम सतोप्रधान थे अभी तमोप्रधान बने हैं। फिर सतोप्रधान बनना है। दैवीगुण धारण करनी है। शैतानी गुण निकालना है। यह है शैतानी दुनिया। तुम तैयारी कर रहे हो परिस्तानी दुनिया की। आसुरी कहो, शैतानी कहो बात एक ही है। इस समय तुम ईश्वरीय सम्प्रदाय हो। फिर दैवी सम्प्रदाय बनेंगे।

यह भी लिख सकते हो सुप्रीमसोल को आकर रियलाईज करो। अभी नाउप्रीम है उनको कैसे सुप्रीम बनाते हैं। सो आकर समझो। ऐसी बातें हो जो कोई पूछ न सके, समझा न सके। लौकिक कोई बात न हो। सभी संगमयुगी बातें हो। आज से 5000 वर्ष पहले डीटी राज्य था। अभी फिर उस डीटी राज्य की स्थापना हो रही है। इस विश्व में। सो आकर समझो। ऐसी2 बातें दिल अन्दर घड़ी2 विचार सागर मथन करने से बुधि बैठेगा। बाप की महिमा भी अच्छी रीत लिखनी है। जिसको हम जानते हैं और हमारी ही प्रीत है। बाकी सभी की विप्रीत बुधि है। अच्छा रूहानी बच्चों को रूहानी बाप-दादा का याद प्यार गुडनाईट। रूहानी बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते नमस्ते। ओम